साक्षर भारत

नारे बड़े काम के

बिहार सरकार

साक्षर भारत

नारे
बड़े काम के

बिहार सरकार

बिहार राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण, जन शिक्षा निदेशालय,
तृतीय तल, विकास भवन, पटना–800015

- संकलन एवं संपादन – डॉ0 विनोदानन्द झा, प्रीति परिहार
- डिजाइन – सीताराम
- प्रकाशक – ''साक्षर भारत मिशन–2012'' के लिए बिहार राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण, जन शिक्षा निदेशालय, मानव संसाधन विकास विभाग, बिहार, पटना –800015
- प्रतियाँ – 10,000
- वर्ष – मार्च 2011
- मुद्रक – बिहार राज्य पाठ्य पुस्तक निगम, बुद्ध मार्ग, पटना – 800001

आभार

कार्यक्रम के प्रचार–प्रसार के लिए नारे सशक्त औजार हैं। इसके द्वारा हम सरल शब्दों में कार्यक्रम की जानकारी लेते–देते हैं। कई बार कार्यक्रम के दौरान थकान दूर करने के लिए, उत्साह कायम रखने के लिए भी इनका उपयोग होता है। सच कहें तो नारे अभियान के लिए जोश पैदा करते हैं और जयघोष की तुमुल ध्वनि भी।

साक्षरता अभियान के लिए वातावरण निर्माण, दीवार लेखन, रैली आदि में नारों की आवश्यकता को ध्यान में रखकर यह संकलन तैयार किया गया है। सभी नारे सरल शब्दों में साक्षरता के संदेश को पहुँचानेवाले हैं। आशा है हमारे कार्यकर्त्ता इन नारों का व्यापक प्रयोग करेंगे और इनसे प्रेरित होकर नये नारों का सृजन भी करते रहेंगे। संकलित नारे विभिन्न व्यक्तियों, संस्थाओं और स्थानों से प्राप्त किये गये हैं। सभी सृजनकर्त्ता और स्रोत के प्रति हम हार्दिक आभार प्रकट करते हैं।

बिहार में नव जागरण हो रहा है। विकास और समृद्धि का नया इतिहास गढ़ा जा रहा है। परन्तु आज भी साक्षरता की दृष्टि से हम बहुत पीछे हैं। मुख्यमंत्री अक्षर आँचल योजना से साक्षर हुई महिलाओं ने हमें आगे बढ़ने का भरोसा दिलाया है। अब पूरा बिहार साक्षर भारत कार्यक्रम से आच्छादित हो गया है। हर गाँव–टोला, पंचायत अपने–अपने क्षेत्र के अनपढ़ वयस्कों को साक्षर बनाने हेतु प्रतिबद्ध हो, यह आवश्यक है। हम सभी पढ़े–लिखे लोगों को मिलकर निरक्षता के कलंक को मिटाने का कार्य करना है। इस अभियान के लिए यह पुस्तिका मददगार साबित होगी।

बिहार दिवस, 22 मार्च 2011

अंजनी कुमार सिंह
प्रधान सचिव, मा0स0वि0 विभाग
बिहार, पटना।

- अपनी मिट्‌टी, अपनी शान
  पढ़–लिखकर होगी पहचान।

- तुमको जीवन जीना है
  अक्षर–अमृत पीना है।

- पढ़ने से जब घबराएँगे
  लाभ कहाँ से कुछ पाएँगे।

- अक्षर–आँचल लहराने दो
  शिक्षा घर–घर आने दो।

- अक्षर की ताकत पहचान
  हर नारी ने किया ऐलान।

- शब्दों की रंगोली होगी
  हर आँगन में होली होगी।

- नारी के आँचल में अक्षर
  बेटी, माता दोनों साक्षर।

- भेदभाव से नाता तोड़ो
  पढ़ लिखकर समाज को जोड़ो।

- एहेन सुविधा गाँव मे भेल
  पढ़ब–लिखब हँसी–खेल।

- रोजगार की बात चली है
  अक्षर की बारात चली है।

- सपनों को साकार करेंगे
  पढ़–लिख जिम्मेवार बनेंगे।

- जिसने लिखना–पढ़ना सीखा
  उसने आगे बढ़ना सीखा।

- शब्द–शब्द गढ़ना है
  हर औरत को पढ़ना है।

- अनपढ़ बहना लजाती है
  जगह–जगह ठगाती है।

- आँचल में अक्षर की धारा
  कर देगी जग को उजियारा।

- अपने पढ़ी दुलहा के पतिया
  केहू ना जाने पराइभेट बतिया।

- असली गहना अक्षर गहना
  नारी का सम्मान है पढ़ना।

- इधर उधर की बातें छोड़ो
  पढ़ाई से अपना नाता जोड़ो।

- जितनी पढ़ोगी
  उतनी बढ़ोगी।

- आया मौका पढ़ने का
  हक की खातिर लड़ने का।

- अक्षरों की नई फुलवारी
  खिला रही देखो हर नारी।

- पढ़ना–लिखना सीखूँगी
  सबके साथ दिखूँगी।

- सौ दिन की मजदूरी पाओ
  काम करो पढ़ते भी जाओ।

- जागो भइया, जागो बहना, नया सवेरा आया है
  नई प्रभात की नई किरणों से साक्षर भारत आया है।

- साक्षर भारत का ऐलान
  आया है अब नया विहान ।

- जब बिहार की महिला जागे
  तभी देश का दुर्दिन भागे।

- पढ़–लिखकर अपना हक पाएँ
  आधी आबादी महिलाएँ।

- पढ़ी–लिखी हर नारी होगी
  अब इसकी तैयारी होगी।

- एक घंटा की पढ़ाई
  सौ जनम की कमाई।

- महिला का अधिकार है पढ़ना
  हर मैदान में आगे बढ़ना।

- अपनी किस्मत अपने हाथ
  अक्षर ज्ञान जब हो साथ।

- करो शिक्षितो शिक्षा दान
  बढ़ जायेगा तेरा मान।

- पढ़ेगी माँ तो पढ़ेगी बच्ची
  हालत सबकी होगी अच्छी।

- नारी को पढ़ाना है
  नया बिहार बनाना है।

- समझ गई पढ़ने का अर्थ
  अपढ़ समय गँवाया व्यर्थ।

- होगें शिक्षित नर और नारी
  गर्व करेंगे, हम हैं बिहारी।

- बचपन की कसक हुई अब पूरी
  बिन पढ़ाई मैं थी अधूरी।

- हमें जानना है सरकार
  तो हमें पढ़ना है।

- हमें गढ़ना है परिवार
  तो हमें पढ़ना है।

- साक्षरता का ले हथियार
  आओ बनाएँ नया बिहार।

- साक्षर भारत फैल रहा
  घर–आँगन में तैर रहा।

- पढ़ी–लिखी सुखिया
  अब बनेगी मुखिया।

- हँसी–खुशी में बीते जीवन
  पढना–लिखना असली धन।

- नारी जब होती साक्षर
  शिक्षित होता पूरा घर।

- जन–जन का है यही विचार
  शिक्षित होगा हर परिवार।

- कभी हौसला पस्त न होगा, बढ़ते जाएँगे
  लेकर अक्षर–ज्ञान, निरंतर पढ़ते जाएँगे।

- सभी धर्म–मजहब का नारा
  शिक्षित हो परिवार हमारा।

- आओ बहना, करो पढ़ाई
  इसमें है हम सब की भलाई।

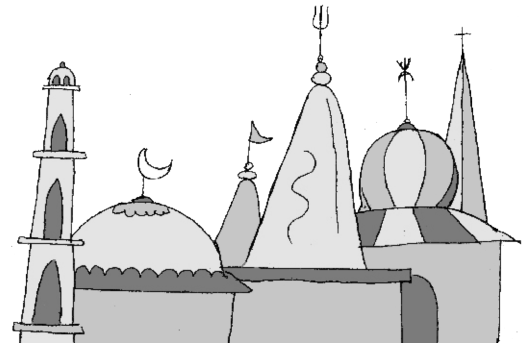

- जनता ने है किया ऐलान
  ज्ञान की दौलत को पहचान।

- शहरी हो या देहाती
  शिक्षा है सबका साथी।

- शिक्षा का अलख जगाना है
  अब बहनों को भी पढ़ाना है।

- दे दो हमको इतना ज्ञान।
  दूर करें जिससे अज्ञान।

- हरी दूब और पीली हल्दी
  पढ़–लिख मइया जल्दी–जल्दी।

- बढ़ता बिहार, पढ़ता बिहार।

- बिना पढ़े जानोगी कैसे
  किसको वोट गिराना है?

- रूढ़ि, अंधविश्वास मिटाए शिक्षा
  सही गलत समझाए शिक्षा।

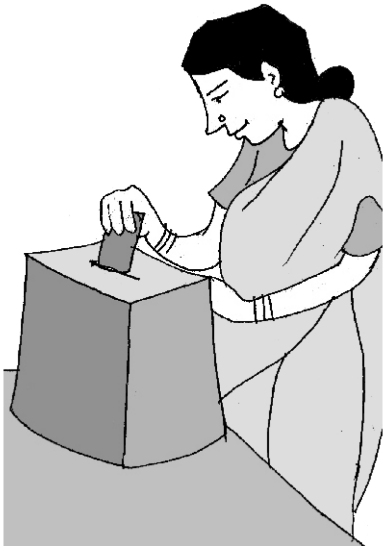

- गँवई–शहरी सबका कहना
  शिक्षा है नारी का गहना।

- बहू–बेटियाँ पढ़े–लिखें
  हक की खातिर सजग दिखें।

- मुनुआ–मुनिया एक समान
  पढ़–लिखकर भरें उड़ान।

- पढ़–लिखकर हम काम करेंगे
  देश का ऊँचा नाम करेंगे।

- देखो उमड़ा जन सैलाब
  हाथों में ले कलम–किताब।

- भइया हो या बहना हो
  सबका लिखना–पढ़ना हो।

- रोटी–कपड़ा और मकान
  सबसे अधिक जरूरी ज्ञान।

- चलो चलाएँ यह अभियान
  सबको मिले अक्षर का ज्ञान।

- निरक्षरता की टूटी दीवार
  पुस्तक फैलाए किरण हजार।

- मेरी सगी, मेरी पुस्तक
  मेरी सखी, मेरी पुस्तक।

- सीखने की कोई उमर नहीं
  पढ़ने की हर उमर सही ।

- वसंत आया सखी मेरे द्वार
  जब से चली पढ़ाई की बयार।

- अब तक सपने में थी किताब
  अब हाथों में हैं किताब।

- ओ कलम, तू पास इतनी
  मैं समझती दूर थी
  ये मेरी ही भूल थी।

- ज्ञान का प्रकाश हम फैलाएँ
  सबके घर उजियाला लाएँ।

- सबसे सुंदर दृश्य
  बिटिया पढ़ा रही है
  माँ पढ़ रही है।

- कलम मेरे पास
  मैं कलम के पास
  जाग रही है आस।

- किताब बाँचती माँ
  सबसे खूबसूरत समाँ।

- मैंने पुस्तक को स्वीकारा
  पुस्तक ने मुझको स्वीकारा।

- मिहनत करके पढ़ने दो
  हमको आगे बढ़ने दो।

- एक सूरज हम उगाएँ
  चलो पढ़ें और पढ़ाएँ।

- एक कलम अम्माँ के हाथ
  एक कलम बिटिया के हाथ
  दोनों चल रहीं साथ–साथ।

- मुझको पढ़ना आ गया
  मन को यह भा गया।

- पढ़ने में मिली खुशी
  पढ़कर मैं हुई सुखी।

- चाँद–तारे पा रही हैं औरतें
  पाठ को दुहरा रही हैं औरतें।

- पढ़ना श्रेष्ठ कर्म है
  पढ़ाना श्रेष्ठ धर्म है।

- किताब ने जगा दिया
  साक्षर बना दिया ।

- है अद्‌भुत नजारा
  पढ़ रहा गाँव सारा।

- मेरी कलम तुम्हारे हाथ
  कितना अच्छा है यह साथ।

- बिटिया की बात सुनती माँ
  बिटिया की तरह पढ़ती माँ।

- भँवरे फूल से
  सागर मोती से
  मानव ज्ञान से
  दूर कैसे रहे ।

- पढ़ न पाने की थी कसक
  अब पढ़ने की है ललक।

- समझ–बूझ कर पढ़ रही हैं औरतें
  इस सदी में बढ़ रही हैं औरतें।

- लोकतंत्र का एक ही नारा
  शिक्षा है अधिकार हमारा।

- पढ़ना–पढ़ाना
  देश को बढ़ाना।

- पढ़–लिख कर हम बनें महान
  कलाम, बुद्ध, चाणक्य समान।

- मान सखी मान
  अक्षरों को जान!
  जान सखी जान, दुनिया का ज्ञान!

- अक्षर को पहचान गई
  अंकगणित को जान गई।

- जब बिहार की महिला जागे
  तभी प्रदेश का दुर्दिन भागे।

- पढ़ो–लिखो तो होगा ज्ञान
  तब समाज में मिलेगा मान।

- पढ़ना है और बढ़ना है
  ऊँची चोटी चढ़ना है।

- समझ कर पढ़ें समझाएँ
  चलो–कुछ कर दिखाएँ।

- पुस्तक के शब्द, आँखों में उतर गए
  विचार और आचार में बदल गए।

- जगे देश की क्या पहचान
  पढ़ा–लिखा मजदूर किसान।

- पुस्तक पढ़कर समझ बढ़ाओ
  लिख–लिखकर लेखक बन जाओ।

- विद्या के भंडार को
  लूट सके सो लूट
  संगी–साथी साथ चलें सब
  कोई न जाए छूट।

- कलम की ताकत जान गई
  साक्षरता को मान गई ।

- पढ़ो पढ़ाओ देश बढ़ाओ
  जो सोए हैं उन्हें जगाओ।

- अनपढ़ों को शिक्षा दान
  शिक्षितों का धर्म महान।

- हिन्दु–मुस्लिम सिक्ख इसाई
  अनपढ़ रहें न कोई भाई।

- आखिर कब तक अंगूठा छाप
  अब तो दस्तखत करलें आप।

- ना अंगूठा ना निशान
  पढ़ा–लिखा मजदूर किसान।

- खुली कलम मिल गई किताबें
  दुनिया भर की होगी बातें।

- पढ़े लिखे सब यही कहें
  कोई निरक्षर नहीं रहे।

- साक्षरता का है वरदान
  सुखी समृद्ध हो श्रमिक किसान।

- अक्षर का ज्ञान बढ़ाओगे
  तो लाभ अनेकों पाओगे।

अम्मा अच्छी लगी

गाँव की बदली हुई हालत बहुत अच्छी लगी
देखकर हर हाथ में कापी–किताब अच्छी लगी।

गाँव के स्कूल में बैठी हुई लड़कों के बीच
मुझको वह पढ़ती हुई लड़की बहुत अच्छी लगी।

फूस की झोपड़ी और लालटेन की रोशनी में
लिखती हुई बेटे को खत, अम्मा बहुत अच्छी लगी।

उंगलियों से रेत में शायद वह कुछ लिख रही थी
मुझको मजदूरन की यह कोशिश बहुत अच्छी लगी।

बेटी से तेरा वंश चलेगा कान में उसने कहा
बात साधु की मुझे पहली दफा अच्छी लगी।

तोड़ कर पत्थर कहीं बैठी एक पल छाँव में
पढ़ती हुई अखबार वह औरत बहुत अच्छी लगी।

बिहार राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण, जन शिक्षा निदेशालय, तृतीय तल, विकास भवन, पटना–800015